भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 503

22 जुलाई, 2026 को उत्तर देने के लिए

विज्ञान और प्रौद्योगिकी-आधारित कार्य

†503. डॉ. नामदेव किरसानः

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वारा जनजातीय आजीविका, बांस और लघु वन उपज मूल्य संवर्धन, जलवायु-अनुकूल कृषि, डिजिटल नवाचार या प्रौद्योगिकी-संचालित कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए गढ़चिरौली-चिमूर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में कोई विज्ञान और प्रौद्योगिकी-आधारित कार्य किए गए हैं या किए जाने का प्रस्ताव है;

(ख) क्या विगत तीन वर्षों के दौरान उक्त निर्वाचन क्षेत्र में प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर, ग्रामीण प्रौद्योगिकी केंद्र या नवाचार हब सहित मंत्रालय के अधीन अभिकरणों के माध्यम से कोई परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं;

(ग) उक्त पहलों के अंतर्गत स्वीकृत निधियों, अनुमोदित परियोजनाओं और लाभान्वित हुए लाभार्थियों का जिला-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) विशेष रूप से गढ़चिरौली में चल रहे विकास और औद्योगिक परिवर्तन को देखते हुए, उक्त जिले की विज्ञान और प्रौद्योगिकी अवसंरचना तथा अनुसंधान सहयोग को मजबूत करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं या उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग' (डीएसटी) राष्ट्रीय अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) प्रयोगशालाओं, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आधारित गैर-सरकारी संगठनों तथा मैदानी कार्यकर्ताओं से जुड़े प्रेरित वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों को ऐसे कार्योन्मुख तथा स्थान-विशिष्ट परियोजनाएं संचालित करने के अवसर प्रदान करता है, जिनका उद्देश्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के उपयुक्त क्रियाकलापों के माध्यम से समाज के

वंचित वर्गों का सामाजिक-आर्थिक विकास करना है। इन परियोजनाओं का लक्ष्य उनके जीवन की गुणवत्ता और आजीविका में स्थायी सुधार लाना है। अपनी विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से, विभाग स्थानीय आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप प्रौद्योगिकी को अपनाकर समुदायों को सशक्त बनाने के प्रयास कर रहा है। इन प्रयासों का उद्देश्य सतत विकास को बढ़ावा देना तथा स्थानीय समस्याओं के लिए प्रभावी एवं स्थायी समाधान उपलब्ध कराना है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा समर्थित परियोजनाएं मानव संसाधन क्षमता, संस्थागत क्षमता और प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग एवं प्रसार को सुदृढ़ करने की दिशा में कार्य करती हैं। डीएसटी के सभी कार्यक्रम प्रतिस्पर्धात्मक प्रक्रिया के माध्यम से पूरे भारत में संचालित किए जाते हैं तथा वित्तीय सहायता केवल योग्यता के आधार पर निर्धारित मानंदडों के अनुरूप प्रदान की जाती है। इन कार्यक्रमों का दायरा सभी राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों को शामिल करता है, जिसमें महाराष्ट्र का गढ़चिरौली-चिमूर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र भी शामिल है। देश भर में अनुसूचित जनजातियों के कल्याण हेतु इन उद्देश्यों की पूर्ति करने वाली वर्तमान केंद्रीय योजनाओं का विवरण https://dst.gov.in/science-society-programmes पर देखा जा सकता है।

(ख) से (ग): स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

(I) विभाग ने **"**महाराष्ट्र के आकांक्षी गढ़चिरौली ज़िले के जनजातीय गांवों में सुरक्षित एवं सतत खाद्य उत्पादन के लिए कम्पोस्टिंग और रसोई बागवानी को बढ़ावा देने हेतु प्रौद्योगिकी क्रियाकलाप संबंधी परियोजना**"** को **₹37,56,530/-** रूपए की लागत से वित्तीय सहायता प्रदान की है। इस परियोजना से विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह **(**मारिया गोंड) समुदाय की **280** जनजातीय महिला कृषक लाभान्वित हुई हैं।

(II) राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के स्तर पर विज्ञान**,** प्रौद्योगिकी और नवाचार (एसटीआई**)** पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषदों के माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी सचिवालयों को सहायता प्रदान करता है**,** जिसमें महाराष्ट्र का राजीव गांधी विज्ञान और प्रौद्योगिकी आयोग (आरजीएसटीसी**)** भी शामिल है। आरजीएसटीसी ने गोंडवाना विश्वविद्यालय**,** गढ़चिरौली के सहयोग से 15,70,68,000/- रुपये की कुल लागत से एक विज्ञान और प्रौद्योगिकी संसाधन केंद्र (एसटीआरसी**)** की स्थापना की है। यह केंद्र गढ़चिरौली-चिमूर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के वंचित जनजातीय समुदायों के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी आधारित क्रियाकलापों को क्रियान्वित करता है। **केंद्र द्वारा अब तक 11 संरचित कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया गया है**, **जिनसे 1**,**021 जनजातीय परिवार लाभान्वित हुए हैं।**

विज्ञान और प्रौद्योगिकी संसाधन केंद्र (एसटीआरसी) निम्नलिखित पाँच एकीकृत कार्यक्रमगत क्षेत्रों के माध्यम से कार्य करता है:

- **जलीय कृषि और मत्स्य पालन**
- **बांस-आधारित आजीविका**
- **वन-आधारित आजीविका और औषधीय पौधे**
- **अनुप्रयुक्त अनुसंधान एवं विकास तथा ग्रामीण प्रौद्योगिकी विकास**
- **विकास हेतु संचार (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) और शिक्षा)**

ये सभी कार्यक्रमगत क्षेत्र सामूहिक रूप से सतत आजीविका को सुदृढ़ करने, नवाचार को बढ़ावा देने, मूल्य संवर्धन को प्रोत्साहित करने तथा समुदायों की क्षमता निर्माण में योगदान देते हैं। इनके माध्यम से गढ़चिरौली-चिमूर के जनजातीय क्षेत्रों में समावेशी सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है।

(घ) विभाग अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से, गढ़चिरौली-चिमूर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सहित पूरे देश में प्रतिस्पर्धात्मक एवं योग्यता-आधारित अुनसंधान तथा नवाचार परियोजनाओं को सहायता प्रदान करता है। इन योजनाओं के अंतर्गत परियोजना प्रस्ताव आमंत्रित करने हेतु समय-समय पर डीएसटी की वेबसाइट और ई-प्रोजेक्ट प्रबंधन प्रणाली (ई-पीएमएस) पोर्टल पर प्रस्ताव आमंत्रण प्रकाशित किए जाते हैं। गढ़चिरौली-चिमूर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के पात्र संस्थान एवं शोधकर्ता संबंधित योजना के प्रावधानों के अधीन तथा निर्धारित योग्यता-आधारित मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से चयन होने पर इन योजनाओं के अंतर्गत सहायता प्राप्त कर सकते हैं। (डीएसटी की विभिन्न योजनओं के लिए लिंक-http://dst.gov.in/scheme-programmes)

*****